REVIEW OF RESEARCH

# रूहेलखण्ड़ तराई के ग्रामीण क्षेत्र में महिला साक्षरता में परिवर्तन का भौगोलिक अध्ययन

डॉ. पंकज कुमार
*असि.प्रो., भूगोल विभाग, जे.वी. जैन कालेज (मेरठ विश्वविद्यालय) सहारनपुर*

***प्रस्तावना :***

शिक्षा देश के सामाजिक आर्थिक विकास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है। यह एक ऐसा सशक्त साधन है जिसके माध्यम से मानव समाज में चेतना जागृत कर उसकी कार्य कुशलता में वृद्धि की जा सकती है व विकास के चर्मोत्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है। स्त्रियाँ समाज का अभिन्न अंग, परिवार का प्रमुख घटक एवं संभाव्य मानव संसाधन की जननी है। अतः स्त्री साक्षरता इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक शिक्षित महिला स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रमुख घटक है। स्त्री साक्षरता में संवर्धन के बिना कोई भी क्षेत्र या देश सामाजिक विकास को प्राप्त नहीं कर सकता।

**क्षेत्र परिचय –**

हिमालय पर्वत के ठीक नीचे और उत्तर के विशाल मैदान के बीच पूर्व पश्चिम की ओर फैली हुई दो पतली पटिटयाँ हिमालय के समानान्तर पायी जाती है। विशाल पर्वतीय श्रेणी के ठीक नीचे (पाद प्रदेश में) भाबर प्रदेश पाया जाता है इसके ठीक नीचे भाबर क्षेत्र के समानान्तर संकीर्ण पटटी के रूप में विस्तृत समतल नम एवं दलदली क्षेत्र पाया जाता है इस भाग को तराई कहा जाता है। प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र का विस्तार $28^0$ $27^1$ से $29^0$ $52^1$ उत्तरी अक्षांश तथा $78^0$ $17^1$ से $80^0$ $27^1$ पूर्वी देशान्तर तक है। पश्चिम से पर्व तक इस क्षेत्र की कुल लम्बाई 225 किलोमीटर है। क्षेत्र की औसत चौडाई 13 किमी0 तथा क्षेत्र का कुल (ग्रामीण) क्षेत्रफल 402796 वर्ग किमी0 है। जिसके अर्न्तगत उत्तर प्रदेश राज्य के बिजनौर, रामपुर, बरेली, पीलीभीत और मुरादाबाद जनपदों का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

रूहेलखण्ड तराई के ग्रामीण क्षेत्र में साक्षरता की स्थिति एक विचाराणीय प्रश्न है। अध्ययन क्षेत्र की कुल ग्रामीण जनसंख्या का 70 प्रतिशत अभी भी पढ़ लिख नहीं सकता है। जो प्रदेश की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत कम है। अशिक्षा और गरीबी यहाँ के ग्रामीण क्षेत्र की सबसे बड़ी त्रासदी है। गरीबी लोगों को शिक्षा से वंचित रखती है तो अशिक्षा नये विचारों एवं मान्यताओं को पनपने से रोकती है। महिला साक्षरता एक गम्भीर तथ्य हैं। 1971 की जनगणना के अनुसार क्षेत्र में महिलाओं की साक्षरता जहाँ 2.50 प्रतिशत थी वह 2011 में बढ़कर 24.59 प्रतिशत हो गयी है। अध्ययन क्षेत्र में स्त्री शिक्षा को समृद्ध करना अत्यावश्यक है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत अध्ययन रूहेलखण्ड तराई क्षेत्र में महिला साक्षरता की स्थिति में परिवर्तन के अध्ययन का प्रयास है।

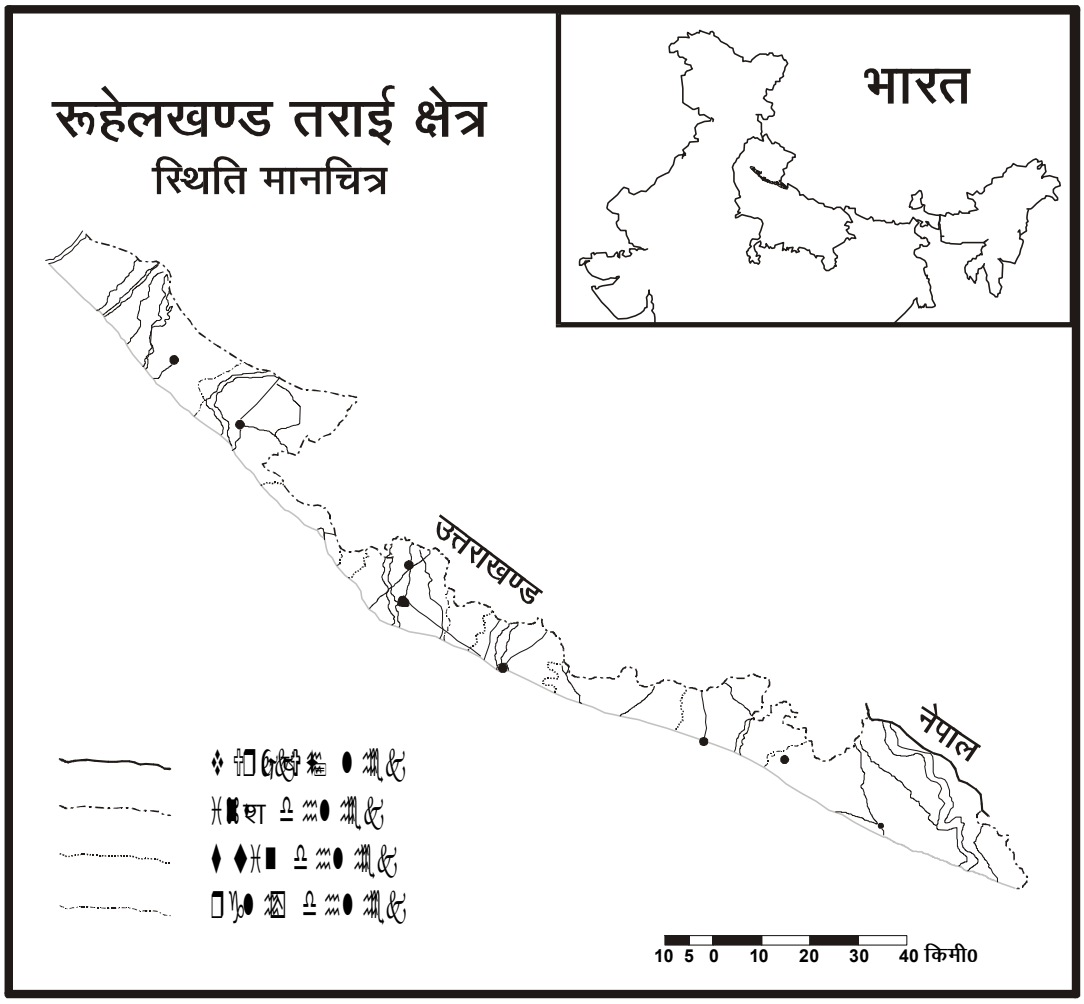


## आंकडों का संकलन एवं विधि तन्त्रः–

प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकडों पर आधारित है। प्राथमिक आंकड़ों के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के कुल 1096 ग्रामों में से 110 ग्रामों का चयन कर व्यक्तिगत सर्वेक्षण को आधार बनाया गया है। द्वितीयक आंकड़े मुख्यतः डिस्ट्रिक्टस सेन्सस हैण्डबुक 1971, 1981, 1991, 2001 व 2011 से संकलित किये गये है। तथा साक्षरता के विभिन्न तथ्यों के आधार पर प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर साक्षरता की क्षेत्रीय स्थिति को समझने का प्रयास किया गया है।

## रूहेलखण्ड तराई के ग्रामीण क्षेत्र में साक्षरता का स्वरूपः–

यद्यपि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता दर में निरन्तर वृद्धि हो रही है परन्तु यदि इसकी तुलना सम्पूर्ण देश से की जाए तो ज्ञात होता है कि 1971 में देश की साक्षरता 21.80 प्रतिशत थी इसी समय अध्ययन क्षेत्र में यह मात्र 07.20 प्रतिशत थी इस अवधि में जहाँ 11.70 प्रतिशत पुरूष साक्षर थे वहीं महिलाओं की साक्षरता मात्र 2.50 प्रतिशत थी। तब से लेकर आज तक अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता में लगातार वृद्धि हुई और वर्तमान(2011) में यह 29.36 प्रतिशत है। जिसमें पुरूष 33.29 प्रतिशत और महिला 24.59 प्रतिशत है। क्षेत्र के अन्तर्गत निवास करने वाली थारू और बुक्सा जनजातीय क्षेत्र में तो साक्षरता प्रतिशत अत्यन्त निराशाजनक है। 2011 की जनगणना के अनुसार इनकी कुल जनसंख्या का 21.67 प्रतिशत ही साक्षर है जिसमें महिलाओं का प्रतिशत मात्र 16.09

प्रतिशत है। निश्चय ही इस क्षेत्र की जनसंख्या का महत्वपूर्ण हिस्सा शिक्षा से वंचित है विशेष कर महिलायें। अतः इनमें साक्षरता की न्यून प्रतिशतता क्षेत्र में सर्वांगीण विकास में बाधक है।

## महिला साक्षरता में दशकीय वृद्धिः–

अध्ययन क्षेत्र में स्त्री साक्षरता दर वर्ष 1971 से 2011 के मध्य के 40 वर्षो में 22.09 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 1971 से 2011 के मध्य हुई इस वृद्धि को निम्न में दर्शाया गया है।

**रूहेलखण्ड तराई के ग्रामीण क्षेत्र में महिला साक्षरता में दशकीय वृद्धि 1971–2011**

| वर्ष | पुरूष | दशकीय वृद्धि | महिला | दशकीय वृद्धि |
|---|---|---|---|---|
| 1971 | 11.70 | – | 2.50 | – |
| 1981 | 13.32 | 1.62 | 3.32 | 0.82 |
| 1991 | 17.30 | 3.98 | 6.60 | 3.28 |
| 2001 | 23.89 | 6.59 | 13.40 | 6.80 |
| 2011 | 33.29 | 9.40 | 24.59 | 11.19 |

**स्त्रोतः– डिस्ट्रिक्टस सेन्सस हैण्डबुक 1971 से 2001**

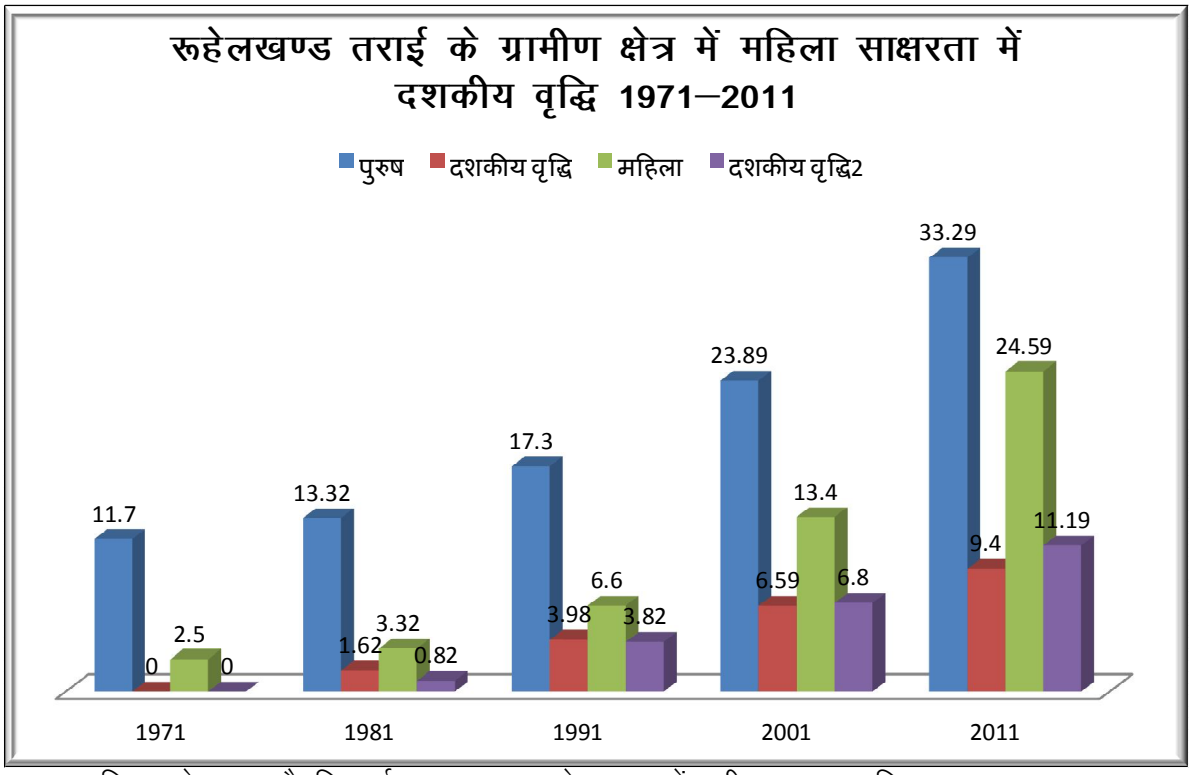


तालिका से स्पष्ट है कि वर्ष 1991–2011 के दशक में स्त्री साक्षरता वृद्धि दर 17.99, पुरूष साक्षरता वृद्धि दर 15.99 से अधिक है। जो कि क्षेत्र की कुल महिला साक्षरता का लगभग 136.68 प्रतिशत है। जबकि आरम्भिक चार दशकों में यह पुरूष साक्षरता वृद्धि दर से अत्यन्त कम रही है। अतः स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में विगत दशक में स्त्री साक्षरता में वृद्धि हुई है जो कि अध्ययन क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक अच्छा संकेत है।

## महिला साक्षरता में परिवर्तन का क्षेत्रीय स्वरूप (1991–2011):–

जनगणना दशक 1991–2011 रूहेलखण्ड तराई के ग्रामीण क्षेत्र की साक्षरता में महत्वपूर्ण है क्योंकि सर्वाधिक महिला साक्षरता दर इन्ही दशकों में बढ़ी है। 1991–2001 के मध्य यह 6.8 प्रतिशत वर्ष 2001–2011 के मध्य 11.19 प्रतिशत रही। वर्ष 2001 से 2011 के मध्य रूहेलखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र में साक्षरता दर में वृद्धि के स्वरूप में जनपद स्तर पर भिन्नता परिलक्षित होती है। महिला साक्षरता में दशकीय वृद्धि सर्वाधिक मुरादाबाद 11.85 प्रतिशत और बरेली 11.65 प्रतिशत में हुई है। जबकि सबसे कम पीलीभीत जनपद में 9.47 प्रतिशत रही, बिजनौर ओर रामपुर दशकीय वृद्धि दर की दृष्टि से मध्य स्तर पर रहे जो क्रमशः 10.89 और 9.53 प्रतिशत रहे। जैसा कि सारिणी निम्न से स्पष्ट है।

**रूहेलखण्ड तराई के ग्रामीण क्षेत्र में महिला साक्षरता में परिवर्तन 1951–2011**

| क्र.सं. | जनपद | 2001 | 2011 | परिवर्तन |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बिजनौर | 14.40 | 25.29 | 10.89 |
| 2. | बरेली | 13.11 | 24.76 | 11.65 |
| 3. | पीलीभीत | 12.46 | 21.93 | 9.47 |
| 4. | रामपुर | 12.92 | 22.45 | 9.53 |
| 5. | मुरादाबाद | 13.21 | 25.06 | 11.85 |

**स्रोतः– डिस्ट्रिक्टस सेन्सस हैण्डबुक 2001 से 2011**

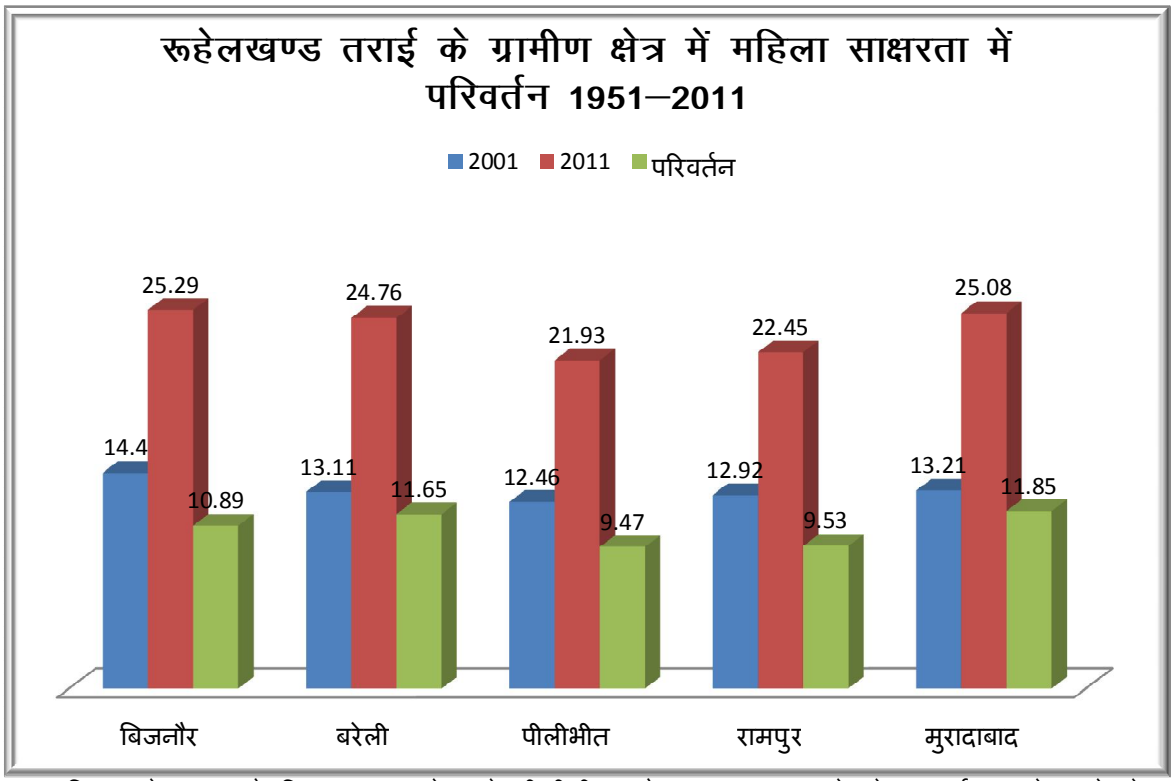


तालिका से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र के पीलीभीत और रामपुर जनपदों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र में महिला साक्षरता वृद्धि की दर अन्य क्षेत्रों की तुलना में कुछ कम है। जिसका प्रमुख कारण इनके अधिकांश भाग का जनजातीय बाहुल्य होना है, जिनमें आज भी शिक्षा के समुचित और सकारात्मक विकास की आवश्यकता है।

**रूहेलखण्ड तराई के ग्रामीण क्षेत्र में महिला साक्षरता स्तर में परिवर्तन का प्रतिशत (तहसील वार) 1971–2011**

| तहसील | 1971 | 1981 | 1991 | 2001 | 2011 |
|---|---|---|---|---|---|
| स्वार | 1.90 | 2.44 | 3.50 | 11.63 | 19.67 |
| बिलासपुर | 2.20 | 2.62 | 4.50 | 11.98 | 20.91 |
| बहेडी | 1.80 | 2.90 | 5.30 | 12.76 | 21.80 |
| पीलीभीत | 1.80 | 2.20 | 4.80 | 12.89 | 20.43 |
| पूरनपुर | 2.10 | 2.40 | 4.20 | 12.66 | 20.88 |
| नजीबाबाद | 2.40 | 3.30 | 7.70 | 14.13 | 24.22 |
| नगीना | 2.70 | 4.30 | 8.00 | 14.33 | 28.03 |
| मुरादाबाद | 2.10 | 5.50 | 7.70 | 14.85 | 28.45 |
| ठाकुरद्वारा | 2.80 | 3.20 | 6.40 | 13.31 | 26.86 |
| सम्पूर्ण क्षेत्र | 2.50 | 3.32 | 6.60 | 13.40 | 24.59 |

**स्रोतः– डिस्ट्रिक्टस सेन्सस हैण्डबुक 1971 से 2011**

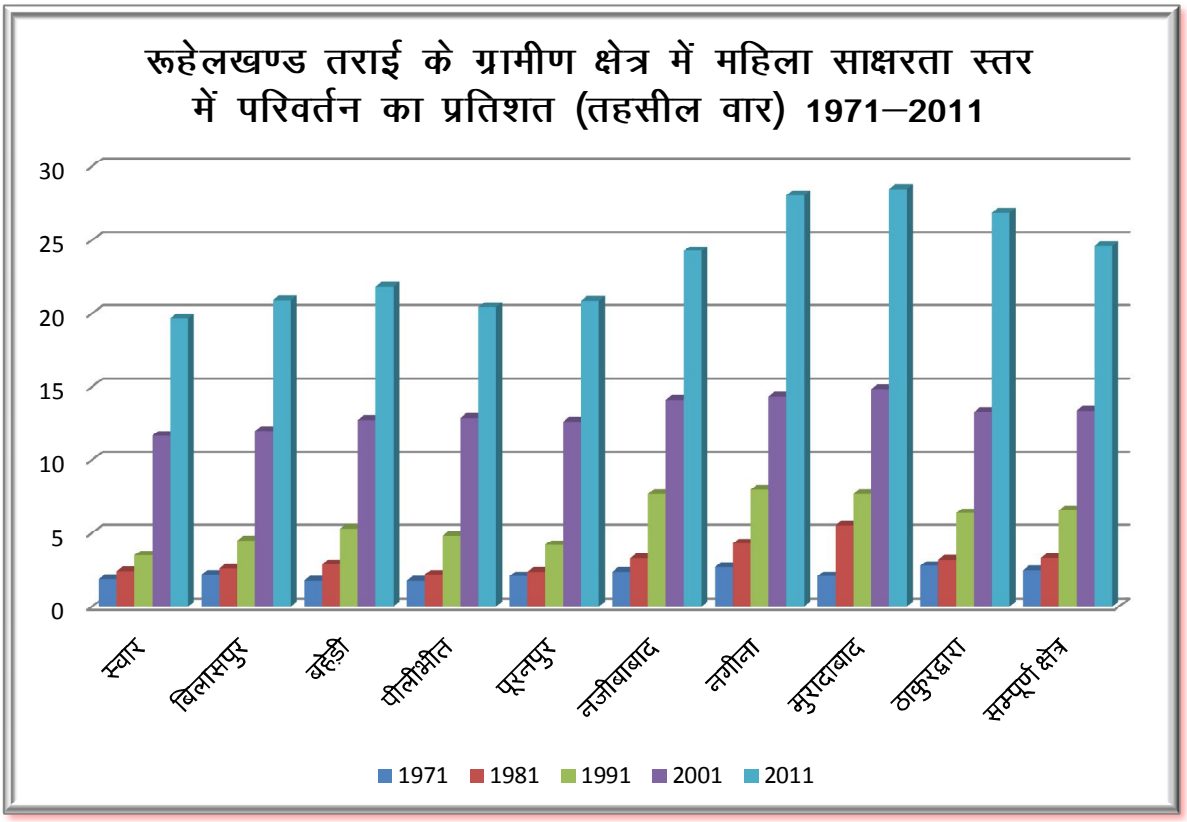


उक्त तालिका का तहसील वार अध्ययन करने से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में महिला साक्षरता की स्थिति 1971 से 1991 के मध्य वृद्धि दर अत्यन्त ही धीमी रही है। 1991 से 2011 के मध्य इसमें कुछ तीव्रता अंकित की गई है। वर्ष 2011 में जनपद मुरादाबाद की मुरादाबाद और ठाकुरद्वारा तथा जनपद बिजनौर की नगीना और नजीबाबाद तहसीलों में साक्षर का प्रतिशत कुल प्रतिशत 24.59 से कुछ अधिक है। जबकि रामपुर जनपद की स्वार व बिलासपुर तथा पीलीभीत जनपद की पीलीभीत और पूरनपुर तहसील में साक्षरता 20 से 25 प्रतिशत के आसपास है। जबकि रामपुर जनपद की स्वार तहसील में यह 20 प्रतिशत से भी नीचे है।

अतः स्पष्ट है कि क्षेत्र के रामपुर, पीलीभीत ओर बरेली जनपदों में महिला साक्षरता दर में कमी अत्यधिक ही चिन्ताजनक स्थिति में है।

## अध्ययन क्षेत्र में महिला साक्षरता दर में कमी के प्रमुख कारणः–

यद्यपि पूर्व के दशकों की तुलना में अध्ययन क्षेत्र की महिला साक्षरता दर में परिवर्तन हुआ है। परन्तु देश की तुलना में यह 40 प्रतिशत कम तथा प्रदेश की तुलना में 32 प्रतिशत कम है। क्षेत्र का विस्तृत अध्ययन करने पर महिला साक्षरता दर में कमी के निम्नलिखित कारण सामने आये है।

1. यहाँ सामाजिक दृष्टि से आज भी स्त्री शिक्षा के विरूद्ध भाव का होना।
2. स्त्रियों के परिसंचरण पर अवरोध, उनका समाज में निम्न स्तर।
3. मुस्लिम समुदायों में स्त्रियों के प्रति अधिक भेदभाव का होना।
4. यह क्षेत्र आज भी लड़कियों के लिए अलग शिक्षा संस्था प्रदत्त करने में असमर्थ रहा।
5. यहाँ के अधिकांश पिछड़े समाजों में अभी भी बाल विवाह का प्रचलन है। इस कारण जो लड़कियाँ स्कूल जाती है वे कम आयु में ही अपनी शिक्षा अधूरी छोड़ देती हैं।
6. आर्थिक दृष्टि से अत्यन्त गरीबी और स्त्रियों की निम्न व्यावसायिक संलग्नता।
7. अधिकांश जनसंख्या का मजदूर वर्ग होने के कारण कृषि क्षेत्रों में समान भागीदारी का होना।
8. जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में स्त्री साक्षरता का निम्न स्तर।
9. क्षेत्र की विषम भौगोलिक परिस्थिति और संसाधनहीनता।
10. यातायात के साधनों को अभाव।

आदि अनेक कारणों से अध्ययन क्षेत्र में स्त्री शिक्षा भारत के अन्य राज्यों और क्षेत्रों की तुलना में सन्तोषजनक नहीं है। वर्तमान सामाजिक आर्थिक परिवेश में शिक्षित स्त्रियों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। अतः स्त्री शिक्षा भी साथ ही साथ अनिवार्य है। रूहेलखण्ड तराई जैसे विषम भौगोलिक परिस्थिति से युक्त क्षेत्र में जहाँ स्त्री साक्षरता में यद्यपि वृद्धि हो रही है। तथापि वृद्धि की दर अपेक्षाकृत अत्यन्त धीमी है। इस सन्दर्भ में विशेष उल्लेखनीय है कि शैक्षणिक सुविधाओं की दृष्टि से क्षेत्र की स्थिति विचारणीय है। अतः शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। लैंगिक विभेद, ग्रामीण नगरीय महिला साक्षरता की विषमताओं को संतुलित करना परम आवश्यक है। इस हेतु महिला साक्षरता को प्राथमिकता देना, ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में शिक्षा के प्रति रूझान पैदा करना एवं शैक्षणिक/प्रशासकीय व्यवस्था को स्थायी रूप देना, साक्षरता के प्रति कानूनी नीतियों का सख्ती से पालन, प्रौढ़ महिला शिक्षा को प्राथमिकता देना, शिक्षा क्षेत्रों में पिछड़े क्षेत्रों विशेषकर आदिवासी अंचल की महिलाओं में शिक्षा हेतु प्रोत्साहन एवं अन्ततोगत्वा जनजागरूकता जैसे अनेक सुधारात्मक कदमों से निश्चित ही महिला साक्षरता की विसंगतियाँ दूर होने से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

## सन्दर्भ

(1) सिंह, आर0एल0, दी तराई रीजन ऑफ यू0पी0, राम नारायण लाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद–1995
(2) चाँदना, आर0सी0, जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स, लुधियाना–1995
(3) मिश्रा, जे0पी0, जनांकिकी साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा–2000
(4) बंसल, एस0सी0, उत्तर प्रदेश का भूगोल, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ–2014–15
(5) त्रिपाठी, के0एन0, उत्तर प्रदेश एक समग्र अध्ययन, बौद्धिक प्रकाशन, इलाहाबाद–2016–17
(6) कुमार, पंकज, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, रूहेलखण्ड तराई क्षेत्र में ग्रामीण अधिवास का भौगालिक अध्ययन–2000
(7) जिला गजेटियर, जनपद रामपुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, बरेली एवं बिजनौर–1981
(8) डिस्ट्रिक्टस सेन्सस हैण्डबुक जनपद रामपुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, बरेली एवं बिजनौर–1971, 1981, 1991, 2001
(9) जिला सांख्यिकीय पत्रिका जनपद रामपुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, बरेली एवं बिजनौर–1990 से 2015 के अधिकांश अंक
(10) उत्तर प्रदेश की जनगणना–2011
(11) पत्रिका, योजना एवं कुरूक्षेत्र के विभिन्न अंक

**डॉ. पंकज कुमार**
*असि.प्रो., भूगोल विभाग, जे.वी. जैन कालेज (मेरठ विश्वविद्यालय) सहारनपुर.*